



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 8, 1988/माघ 19, 1909
No. 4] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 8, 1988/MAGHA 19, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1988

अधिसूचना संख्या 2/88

सं. प्रशा. 135/88-157:—भारतीय औद्योगिक वित्त निगम ने अपने निवेशक बोर्ड और औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 43(1) के अनुसार यथा अपेक्षित भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के अनुमोदन से निगम के कर्मचारिवृद्ध विनियमों के विनियम 3(क) और 86 में संशोधन किया है, जिनमें विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों के लिये “सक्षम प्राधिकारी” और अपीलीय प्राधिकारी का उल्लेख किया गया है। इसके

परिणामस्वरूप निगम के कर्मचारिवृन्द विनियमों का विनियम 3(अ) विनोदित कर दिया गया है। संशोधित विनियम निम्नलिखित अनुसार हैं :—

विनियम 3(इ)

जब तक कि इन विनियमों में विशेष रूप से अन्यथा उल्लेखन न किया जाये, प्रथम श्रेणी के पद पर नियुक्त अधिकारियों के लिये "सक्षम प्राधिकारी" से अभिप्रेत है अध्यक्ष तथा द्वितीय श्रेणी के पद पर नियुक्त अधिकारियों के लिये "महाप्रबन्धक" और अन्य कर्मचारियों के लिये "उप महाप्रबन्धक तथा इस प्रकार निगम का कोई अन्य अधिकारी या अधिकारीगण, जिन्हें मामलों का निपटान करने हेतु बोर्ड ने प्राधिकार प्रदान किया हो अथवा इन प्रयोजनों हेतु शक्तियों का प्रयोग करने के लिये बोर्ड द्वारा विशेष रूप से निर्दिष्ट किया हो"।

विनियम 66

अपील की जा सकेगी—

- (क) श्रेणी I के पद पर नियुक्त अधिकारियों के मामले में निदेशक बोर्ड,
- (ख) श्रेणी II के पद पर नियुक्त अधिकारियों के मामले में कार्यपालक निदेशक,
- (ग) श्रेणी III और IV के पद पर नियुक्त कर्मचारियों के मामले में महाप्रबन्धक।

परन्तु कोई भी अपील निगम के बोर्ड को व्यक्तिगत रूप से सम्बोधित नहीं होगी तथा ऐसी कोई भी कार्यवाही अनुशासन का उल्लंघन समझी जायेगी।

एम. एल. कपूर, उप महाप्रबन्धक (प्रशासन एवं कार्मिक)

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

New Delhi, the 4th February, 1988

NOTIFICATION NO. 2/88

No. Adm. 135/88-157. The Industrial Finance Corporation of India, with the approval of its Board of Directors and the Industrial Development Bank of India, as required in terms of Section 43(1) of the Industrial Finance Corporation Act, 1948, has amended Regulations 3(e) and 66 of the Staff Regulations of the Corporation, designating the 'Competent Authority' and the 'Appellate Authority' for various categories of employees. As a sequel, Regulation 3(j) of the Staff Regulations of the Corporation has been deleted. The amended Regulations read as under :—

Regulations 3(e).

"Competent Authority" means unless otherwise specifically stated in these Regulations, the Chairman in the case of employees holding Class I post, and the General Manager in the case

of employees holding Class II post, and Dy. General Manager in the case of other employees, as also such other officer or officers of the Corporation, to whom authority is delegated by the Board for the disposal of the matter or the exercise of the power for such purpose as may be specified by the Board.

Regulation 66

An appeal shall lie -

- (a) to the Board of Directors in the case of an employee holding a class I post,
- (b) to the Executive Director in the case of an employee holding class II post, and
- (c) to the General Manager in the case of an employee holding Class III and IV post.

Provided that no appeal shall be addressed to the Directors of the Board of the Corporation personally, and any such action shall be deemed to be a breach of discipline.

M. L. KAPOOR,
Dy. General Manager (Admn. & Pers.)

